अध्याय-9

हरिहर क्षेत्रक मेला

भारतवर्षमे जतेक मेला लगैत अछि ओहिमे हरिहर क्षेत्र मेलाक अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान छैक। ई मेला प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमाक समय मे करीब एक मासक हेतु लगैत छैक। संसारक कोनो देशमे एहि प्रकारक मेला नहि लगैत छैक।

हरिहर क्षेत्रक मेला सोनपुरमे गंगा एवं गंडकक संगम पर लगैत छैक। हमरा बहुत दिनसँ प्रबल इच्छा छल जे एक बेर हरिहर क्षेत्रक मेला देखबाक अवसर भेटय। एहि बेर भैया दशमी पूजाक छुट्टीमे गाम आयल छलाह। हुनक कतेक अनुनय-विनय कयल तखन ओ कहलन्हि जे बेस, चलह। हमर मोन आनन्दित भेल मेला लगबासँ एक दिन पहिनहि सोनपुर पहुँचि गेलौं।

कहल जाइत छैक जे द्वापर युगमे एक हाथी गंडकक तीर पर पानि पिबैक हेतु गेल। एकटा घड़ियाल ओकरा पकड़ि लेलकैक। ओहि हाथी एवं घड़ियाल के कतेक झगड़ा भेल। मुदा घड़ियाल हाथीकेँ आओर पानिमे खींचने जाय रहल छल। जखन हाथी ई बुझलक जे आब घड़ियाल हमर प्राण लय लेत तखन ओ भगवानक स्मरण कयलक। भगवान अपना भक्तके एहेन विपत्तिमे देखि ओहि हाथीक रक्षा केलथिन्ह

एहि कारणें ई घटना भगवान (हरि) सँ सम्बन्धित अछि। दोसर कथा छैक जे त्रेतायुगमे जखन भगवान रामचन्द्र जनकपुर जाइत छलाह तँ ओहि ठाम आबि ओ शिव मूर्त्तिक स्थापना कयलन्हि। हर (शिव) सँ सम्बन्धित रहलाक कारणेँ एहि स्थानक नाम हरिहर क्षेत्र पड़ल।

हमरा मेला देखि आश्चर्य लागि गेल। सोनपुर-स्टेशन पर उतरलाक बाद जखन मेलाक निकट पहुँचलहुँ तँ ओहि अपार भीड़केँ देखि आश्चर्य भेल। मेलामें बड़का-बड़का दोकान सब खूब नीक जेकाँ सजाओल छल। प्रत्येक वस्तुक दोकान अलग-अलग छलैक। घूमैत-घूमैत हाथी एवं घोड़ाक मेला दिस पहुँचलहुँ। कियो घोड़ा बेचि रहल छल तँ कियो हाथी खरीदि रहल छल। मेलामें लकड़ीक वस्तु सब देखि

आश्चर्य लागि गेल। कपड़ाक दोकान पर जाय एकटा कमीजक कपड़ा हमहुँ किन्लहुँ। मेलामे कतैक संत लोकनि सेहो छलाह। सबसँ आश्चर्य तँ हमरा तखन लागल जखन ओहि ठाम असंख्य भिखमंगाकेँ देखलहुँ। ओकरा लोकनिक दयनीय स्थिति देखि ककर हृदय द्रवित नहि भय जेतैक। ओहि ठाम भगवान पर तामसो भेल जे भगवानक स्थानमे एहि भिखमंगा सब केँ एतेक कष्ट भ' रहलैक अछि। मुदा ओहि भिखमंगा सबकेँ देखि एकटा शिक्षा सेहो पाओल जे भगवानक असल भक्त वैह थीक जे भिखमंगा सबहक सेवा करैत अछि।

आईकाल्हुक समयमे तँ ई स्थान व्यापारिक केन्द्र भय गेल अछि। कपड़ासँ लय पशु धरि एहि ठाम बेचल जाइत अछि। सिनेमा-नाटक सेहो चलैत अछि। देहातक लोक सिनेमा कम्मे देखने रहैत अछि तैं मेलामे बहुतो लोक सिनेमा देखबाक हेतु जाइत अछि। एहिसँ सरकारकेँ सेहो खूब आमदनी भय जाइत छैक। हमरा तँ सिनेमा एवं सर्कस दुनू देखबाक अवसर ओही मेलामे भेटल।

सरकार सेहो जनताक सुविधाक हेतु बहुत कार्य एहि मेलामे करैत छैक। अस्तु। हमरातँ बड़ नीक लागल। हम तँ कहब जे अहूँ सब एक बेर ऐहि मेलामे अबस्से घूमि आउ।

बालगोविन्द झा 'व्यथित'

प्रश्न ओ अभ्यास

(क) निम्न प्रश्नक उत्तर दिअ

1. **हरिहर क्षेत्रक मेला कतय लगैत छैक ?**
2. **मेलाक स्थानक नाम हरिहर क्षेत्र कोना पड़ल ?**

3. हरिहर क्षेत्रक पाछू कोन पौराणिक-कथा प्रचलित अछि ?

4. हरिहर क्षेत्रक मेलामे की सब बिकाइत छैक ?

5. हरिहर क्षेत्रक मेलामे घुमलाक बाद लेखककेँ की शिक्षा भेटलनि ?

(ख) एहि शब्दक मिलैत-जुलैत अर्थ बला शब्द लिखू।

हाथी, हरि, हर, घोड़ा, कष्ट

(ग) भाषा-अध्ययन :

एहन शब्द सबहक समूह जे सुनबामे एके समान हो परन्तु अर्थ भिन्न-भिन्न हो, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहल जाइत छैक।

जेना–हर (शिव), हरि (विष्णु भगवान)

1. सुनबामे एक तरहक, मुदा भिन्न अर्थक शब्द सभ, जे अहाँ कतौ सुनैत छी वा बजैत छी, तकर एकटा सूची बनाउ।

(घ) योग्यता-विस्तार :

1. हरिहरक्षेत्रक मेलाक अतिरिक्त जँ अहाँ कोनो आन मेला देखने छी तँ ओकर वर्णन वर्ग मे करू।

2. अहाँक इलाकामे जँ एहन कोनो प्रसिद्ध स्थान छैक तँ ओकरा सम्बन्धमे सूचना एकत्र करू।

शब्दार्थ :

अनुनय-विनय–विनती, नेहोरा

घड़ियाल–जलमे रहबला एक प्रकार जीव, मगर

स्मरण–याद

आश्चर्य–अजगुत

असंख्य–अनगिनत

तामस–खीस, खिसिआयब

■